SAMPLE QUESTION PAPER - 10
Hindi A (002)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

कम उमर में विकसित अवचेतन मन का हमारे जीवन पर असर बिलकुल हाल में समझ में आया हो, ऐसा नहीं है। कोई 500 साल से कुछ धर्म-प्रचारकों में यह कहा जाता रहा है कि किसी भी बालक को हमें छह-सात साल की उमर तक के लिए दे दीजिए। वह बड़ा होने व बाद जीवन भर हमारा ही बना रहेगा। उन्हें पता था कि पहले सात साल में सिखाया गया ढर्रा किसी व्यक्ति की जीवन-राह तय कर सकता है। उस व्यक्ति की कामनाएँ और इच्छाएँ चाहे कुछ और भी हों, तो भी वह इस दौर को भूल नहीं पाता। क्या यह मान लें कि नकारात्मक बातों से भरे हमारे इस अवचेतन मन से हमें आज़ादी मिल ही नहीं सकती? ऐसा नहीं है। इस तरह की आजादी की अनुभूति हर किसी को कभी न कभी जरूर होती है। इसका एक उदाहरण है, प्रेम की मानसिक अवस्था। प्रेम में, स्नेह में अभिभूत व्यक्ति का स्वास्थ्य कुछ अलग चमकता हुआ दिखता है, उसमें ऊर्जा दिखती है।

वैज्ञानिकों को हाल ही में पता चला है कि जो लोग रचनात्मक ढंग से सोचने की अवस्था में होते हैं, आनंद में रहते हैं, उनका चेतन मन 90 प्रतिशत सजग रहता है। चेतन अवस्था में लिए निर्णय और हुए अनुभव किसी भी व्यक्ति की मनोकामनाओं और महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप होते हैं। तब मन अपने अवचेतन के प्रतिबंधक ढरों पर बार-बार वापस नहीं लौटता है, लेकिन यह रचनात्मक अवस्था सदा नहीं रहती। जल्दी ही अवचेतन कमान पर लौट आता है। मन का अवचेतन भाग अगर नए सिरे से, नए भाव से, सकारात्मक आदतें चेतन हिस्से से सीख सके तो इस समस्या का समाधान निकल आए।

1: कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): पहले सात वर्षों में सिखाई गई आदतें व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती हैं।

कारण (R): बालक का अवचेतन मन प्रारंभिक वर्षों में सिखाई गई बातों को जीवनभर नहीं भूलता।

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2: रचनात्मक सोच और सकारात्मक मानसिक अवस्था से जुड़े कथनों के लिए उचित विकल्प चुनें:

I. रचनात्मक सोच के दौरान चेतन मन 90 प्रतिशत सजग रहता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

II. रचनात्मक मानसिक अवस्था व्यक्ति की महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप अनुभव प्रदान करती है।

III. यह अवस्था स्थायी रूप से बनी रहती है।

IV. अवचेतन मन सकारात्मक आदतें सीख सकता है।

विकल्प:

i. कथन I, II और IV सही हैं।

ii. केवल कथन III सही है।

iii. सभी कथन सही हैं।

iv. कथन II और IV सही हैं।

3: कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन करें:

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. प्रेम में व्यक्ति का स्वास्थ्य	1 - चमकता और ऊर्जावान दिखता है
II. रचनात्मक सोच का प्रभाव	2 - चेतन मन 90 प्रतिशत सजग रहता है
III. अवचेतन मन का नकारात्मक प्रभाव	3 - प्रतिबंधक ढर्रों पर लौट आता है

विकल्प:

i. I (1) II (3) III (2)

ii. I (2) II (1) III (3)

iii. I (1) II (2) III (3)

iv. I (3) II (1) III (2)

4: लेखक ने अवचेतन मन की आजादी को किस उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है? (2)

5 :लेखक ने नकारात्मक बातों से भरे अवचेतन मन की समस्या को क्या समाधान सुझाया? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[7]**

कोलाहल हो,

या सन्नाटा, कविता सदा सृजन करती है,

जब भी आँसू

कविता सदा जंग लड़ती है।

यात्राएँ जब मौन हो गईं

कविता ने जीना सिखलाया

जब भी तम का

जुल्म चढ़ा है, कविता नया सूर्य गढ़ती है,

जब गीतों की फ़सलें लुटती

शीलहरण होता कलियों का,

शब्दहीन जब हुई चेतना हुआ पराजित,

तब-तब चैन लुटा गलियों का जब भी कर्ता हुआ अकर्ता,

जब कुरसी का

कंस गरजता, कविता स्वयं कृष्ण बनती है।

अपने भी हो गए पराए कविता ने चलना सिखलाया।

यूँ झूठे अनुबंध हो गए

घर में ही वनवास हो रहा

यूँ गूंगे संबंध हो गए।

1. जब निराशा और अंधकार पाँव पसारते हैं तब प्रेरणा कहाँ से मिलती है? (1)

i. स्वयं से

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ii. समस्याओं से

iii. लोगों से

iv. कविता से

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): काव्यांश में कविता का रूप निरंतर संघर्ष और सृजन से संबंधित दिखाया गया है।

कारण (R): कविता ने हमेशा कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करते हुए मानवता को संघर्षों से पार करने की प्रेरणा दी है।

विकल्प:

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. काव्यांश में कविता के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

I. कविता ने मनुष्यता को संघर्षों और कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा दी है।

II. कविता की भूमिका केवल समय और स्थान की शांति को व्यक्त करने की है।

III. काव्यांश में कविता का प्रतिनिधित्व संघर्ष और सृजन के रूप में किया गया है।

IV. कविता केवल सकारात्मक दृष्टिकोण से संबंधित है और इसे चुनौतियों से नहीं जोड़ता।

विकल्प:

i. कथन I और III सही हैं।

ii. कथन II और IV सही हैं।

iii. केवल कथन I सही है।

iv. कथन III और IV सही हैं।

4. 'कविता सदा जंग लडती है' - पंक्ति का भाव क्या है? (2)

5. कविता जीना कब सिखाती है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर दीजिए -** **[4]**

i. मैं यह भली प्रकार जानता हूँ कि तुम बिना आज्ञा कार्यालय में आए हो। (वाक्य का भेद लिखिए।)

ii. गीता ने जो पुस्तक पढ़ने के लिए माँगी, उसे मिल गई। (प्रधान उपवाक्य बताइए।)

iii. दुर्घटना होने पर लोगों ने ड्राइवर को जान से मार दिया। (मिश्र वाक्य बनाइए।)

iv. अंग्रेजी शासकों को उम्मीद थी कि दांडी-यात्रा खुद ही कमजोर पड़कर खत्म हो जाएगी। (वाक्य का भेद लिखिए।)

v. 'सूर्योदय हुआ और पक्षी बोलने लगे।' वाक्य का भेद लिखिए।

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए - (1x4=4)** **[4]**

i. बालगोबिन भगत प्रभातियाँ गाते थे। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

ii. बीमारी के कारण वह यहाँ न आ सका। **(भाववाच्य में बदलिए)**

iii. माँ के द्वारा बचपन में ही घोषित कर दिया गया था। **(कर्तृवाच्य में बदलिए)**

iv. अवनि चाय बना रही है। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

v. घायल हंस उड़ न पाया। **(भाववाच्य में बदलिए)**

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1x4=4)** **[4]**

i. बाग में कुछ महिलाएँ <u>बैठी थीं</u>।

ii. मुझे <u>अपनी</u> पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है।

iii. एक शर्त रखी कि मैं <u>भारत</u> जाऊँगा।

iv. <u>नहीं</u> जानता, बस मन में यह था।

v. <u>हिन्दुस्तान</u> वह सब कुछ है जो आपने समझ रखा है लेकिन वह भी इससे बहुत ज्यादा है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

i. सागर के उर पर नाच-नाच करती हैं लहरें मधुर गान।

ii. सागर-सा गंभीर हृदय हो, गिरी-सा ऊँचा हो जिसका मन।

iii. बीती विभावरी जागरी, अम्बर-पनघट में डुबा रही, तारघट उषा-नागरी।

iv. सखि सोहत गोपाल के, उर गुंजन की माल बाहर सोहत मनु पिये, दावानल की ज्वाल।।

v. आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मजाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए, एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बन्द दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था।

i. पानवाले की कौन-सी बात हालदार साहब को अच्छी नहीं लगी?

क) पानवाले द्वारा एक देशभक्त का मज़ाक उड़ाया जाना।
ख) मूर्ति बनाने वाले का अपमान।
ग) मूर्ति की बनावट पर टीका-टिप्पणी।
घ) मूर्ति बनाने में धन के अपव्यय का मज़ाक उड़ाया जाना।

ii. हालदार साहब ने मुड़कर देखा तो अवाक् क्यों रह गए?

क) चश्मे वाले की वेशभूषा और दयनीय दशा देखकर।
ख) सभी विकल्प सही है।
ग) एक बेहद बूढ़े-मरियल से चश्मे वाले को देखकर।
घ) उसके हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में बाँस पर टंगे चश्मों को देखकर।

iii. चश्मेवाला एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस क्यों टिका रहा था?

क) क्योंकि वह दुकान उसके जानने वाली की थी।
ख) क्योंकि वह दुकान बंद थी।
ग) यह दुकान बाजार के बीचों-बीच थी।
घ) उसकी अपनी कोई दुकान नहीं थी।

iv. हालदार साहब पानवाले से कैप्टन चश्मे वाले के बारे में क्या पूछना चाहते थे?

क) क्या लोग उसके चश्मे पसंद करते हैं?
ख) इसे कैप्टन क्यों कहते हैं और इसका असली नाम क्या है?
ग) उसकी दुकान कहाँ है?
घ) वह कहाँ रहता है?

v. पानवाले ने हालदार साहब को कौन-सी बात साफ़ बता दी?

क) वह उसका असली नाम नहीं जानता।
ख) वह कैप्टन के बारे में अधिक नहीं जानता।
ग) उसे जितना पता था उसने बता दिया।
घ) वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं।

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. बालगोबिन भगत की पुत्र-वधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी? **[2]**

ii. बिस्मिल्ला खाँ शहनाई का घंटों रियाज़ करते थे। इससे विद्यार्थियों को क्या सीख ग्रहण करनी चाहिए और क्यों? **[2]**

iii. नवाब साहब के किन हाव-भावों से लेखक को अनुभव हुआ कि वे बातचीत करने को तनिक भी उत्सुक नहीं हैं? **लखनवी** **[2]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अंदाज पाठ के आधार पर लिखिए।

iv. आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकी रति हारें। मारतहू पर परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

i. लक्ष्मण ने परशुराम को क्या कहा?

क) आप फूँक से ही पहाड़ उड़ाना चाहते हैं
ख) बार-बार मुझे फरसा दिखाते हैं
ग) आप स्वयं को बड़ा योद्धा मानते हैं
घ) सभी विकल्प सही हैं

ii. काव्यांश के आधार पर बताइए कि रघुकुल के व्यक्ति किस पर अपनी वीरता का प्रदर्शन नहीं करते?

क) ब्राह्मण
ख) भगवान के भक्त
ग) सभी विकल्प सही हैं
घ) देवता

iii. **भृगुसुत** किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

क) लक्ष्मण के लिए
ख) राजा जनक के लिए
ग) परशुराम के लिए
घ) मुनि विश्वामित्र के लिए

iv. काव्यांश में **कुम्हड़बतिया** शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

क) शक्तिशाली व्यक्तियों के लिए
ख) विद्वान् व्यक्तियों के लिए
ग) कमजोर और शक्तिशाली व्यक्तियों के लिए
घ) कमजोर व्यक्तियों के लिए

v. काव्यांश के आधार पर बताइए कि कौन फूँक से ही विशाल पर्वत को उड़ा देना चाहता था?

क) राम
ख) विश्वामित्र
ग) परशुराम
घ) लक्ष्मण

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. फागुन की सुंदरता से कवि की आँख हट क्यों नहीं रही है? **[2]**

ii. बच्चा अनजान व्यक्ति की ओर किस प्रकार देखता रहता है? "यह दंतुरित मुसकान" कविता के अनुसार उसे देखकर कवि नागार्जुन क्या कहकर आँखें फेर लेना चाहते हैं? **[2]**

iii. **संगतकार** जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं? **[2]**

iv. **आत्मकथ्य** कविता में कवि का दर्शन एक निराश, हतप्रभ और व्यथित हृदय के रूप में हुआ है, कैसे? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

i. आज हमारा जीवन तकनीक और वस्तुओं पर निर्भर हो चला है जबकि भोलानाथ और उसके साथी इन सबसे परे होकर भी अत्यंत प्रसन्न और समृद्ध बचपन को जी रहे थे। आज के बच्चों को एक भरा-पूरा और अनुभव-सम्पन्न बचपन देने के लिए आप क्या सुझाव देंगे? पाठ के अनुभव के आधार पर उत्तर दीजिए। **[4]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ii. **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के अनुसार अनुभूति के स्तर पर जो विवशता होती है, वह बौद्धिक पकड़ से आगे की बात है और उसकी तर्क संगति भी अलग होती है-लेखक ने ऐसा क्यों कहा? **[4]**

iii. **साना-साना हाथ जोड़ि** के आधार पर लिखिए कि देश की सीमा पर सैनिक किस प्रकार की कठिनाइयों से जूझते हैं? उनके प्रति भारतीय युवकों का क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए? **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

i. **सोशल मीडिया : जागरूकता आवश्यक** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**
भूमिका, वर्तमान स्थिति, जागरूकता की आवश्यकता क्यों, प्रभाव

ii. **प्रकृति से लगाव** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**
संकेत-बिंदु
- आवश्यकता
- प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए जरूरी
- तालमेल जरूरी

iii. **बुजुर्गों के प्रति हमारी जिम्मेदारी** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**
संकेत बिंदु -
- हमारे समाज में बुजुर्गों की वर्तमान स्थिति
- बुजुर्गों के प्रति वर्तमान स्थिति के कारण
- बतौर समुदाय हमारी जवाबदेही
- आपके द्वारा बदलाव के कुछ सुझाव

13. अपने क्षेत्र के विधायक को पत्र लिखिए कि आपकी बस्ती में पुस्तकालय होना क्यों आवश्यक है। इसे प्रारंभ करने का आग्रह करते हुए अनुरोध कीजिए कि अपनी विधायक निधि से कुछ राशि देकर वे पुस्तकालय प्रारंभ करवाएँ। **[5]**

अथवा

विदेश में रहने वाले मित्र को ग्रीष्मावकाश में भारत के पर्वतीय स्थल के भ्रमण हेतु आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

14. किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र में पत्रकार पद के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके घर मेहमान आने वाले हैं तो आपने **तुरत-फुरत** नामक वेबसाइट से कुछ खाने-पीने की वस्तुएँ मँगवाई हैं। बीस मिनट में सामान पहुँचाने वाली इस साइट से 50 मिनट में भी सामान नहीं आया है। इसकी शिकायत करते हुए उपभोक्ता संपर्क विभाग के लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। आपका नाम साधना/सोमेश है।

15. टूथपेस्ट बनाने वाली कंपनी के लिए एक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

अपने छोटे भाई को जन्मदिवस की शुभकामना देते हुए 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. i. iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   ii. i. कथन I, II और IV सही हैं।
   iii. iii. I (1) II (2) III (3)
   iv. लेखक ने अवचेतन मन की आजादी को प्रेम की मानसिक अवस्था द्वारा स्पष्ट किया है। प्रेम में, स्नेह में अभिभूत व्यक्ति का स्वास्थ्य कुछ अलग चमकता हुआ दिखता है, उसमें ऊर्जा दिखती है अर्थात उसमें सकारात्मकता का संचरण होता है ।
   v. लेखक ने सुझाया कि मन का अवचेतन भाग अगर नए सिरे से, नए भाव से, सकारात्मक आदतें निरंतर अभ्यास द्वारा मस्तिष्क के चेतन हिस्से से सीख सकें तो इस समस्या का स्थाई समाधान निकल आए।
2. **1.** (iv) कविता से।
   2. (iii). कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (i). कथन I और III सही हैं।
   4. कविता सदा जंग लड़ती है - पंक्ति का भाव है कि कविता संघर्ष करने की प्रेरणा देती है।
   5. कविता जीना सिखाती है जब कर्मठ व्यक्ति अकर्मण्य हो जाता है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. मिश्र वाक्य।
   ii. उसे मिल गई।
   iii. ज्यों ही दुर्घटना हुई त्यों ही ड्राइवर को जान से मार दिया गया।
   अथवा
   जैसे ही दुर्घटना हुई, ड्राइवर को जान से मार दिया गया।
   iv. मिश्र वाक्य।
   v. संयुक्त वाक्य।
4. i. बालगोबिन भगत के द्वारा प्रभातियाँ गाई जाती थीं।
   ii. बिमारी के कारण उससे यहाँ न आया गया।
   iii. माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था।
   iv. अवनि द्वारा चाय बनाई जा रही है।
   v. घायल हंस से उड़ा न गया। / उड़ा न जा सका।
5. i. बैठी थीं - क्रिया, अकर्मक, बहुवचन, स्त्रीलिंग
   ii. अपनी - निजवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन।
   iii. भारत - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन।
   iv. नहीं - क्रियाविशेषण, 'जानता' - क्रिया की विशेषता।
   v. **हिन्दुस्तान-** संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक
6. i. मानवीकरण अलंकार
   ii. उपमा अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. उत्प्रेक्षा अलंकार
   v. अतिशयोक्ति अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मजाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए, एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बन्द दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था।

(i) **(क)** पानवाले द्वारा एक देशभक्त का मज़ाक उड़ाया जाना।
व्याख्या:
पानवाले द्वारा एक देशभक्त का मज़ाक उड़ाया जाना।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **(ख)** सभी विकल्प सही है।
व्याख्या:
सभी विकल्प सही है।

(iii) **(घ)** उसकी अपनी कोई दुकान नहीं थी।
व्याख्या:
उसकी अपनी कोई दुकान नहीं थी।

(iv) **(ख)** इसे कैप्टन क्यों कहते हैं और इसका असली नाम क्या है?
व्याख्या:
इसे कैप्टन क्यों कहते हैं और इसका असली नाम क्या है?

(v) **(घ)** वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं।
व्याख्या:
वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले इसलिए नहीं छोड़ना चाहती थी क्योंकि पुत्र की मृत्यु के बाद अब भगत अकेले रह गए थे | उन्होंने कभी किसी के आगे सहायता के लिए हाथ नही फैलाया । वृद्धावस्था में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था | पतोहू को चिंता थी कि कौन उनकी देखभाल करेगा | कौन उन्हें खाना बनाकर खिलायेगा और कौन बीमारी में उन्हें दवा देगा |

(ii) इससे विद्यार्थियों को निरंतर प्रयत्नशील, अभ्यासरत रहने की सीख ग्रहण करनी चाहिए क्योंकि निरतंर प्रयत्नशील रहने और अभ्यास से मनोवांछित सफ़लता प्राप्त की जा सकती है।

(iii) जब लेखक सेकंड क्लास के डिब्बे में चढ़े तो सामने की बर्थ पर एक सफेदपोश नवाब साहब को बैठे देखा। नवाब साहब के चेहरे पर लेखक के आने असंतोष के भाव नज़र आने लगे। उन्होंने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया। उनके इन्हीं हाव-भावों से लेखक को अनुभव हुआ कि वे बातचीत करने को तनिक भी उत्सुक नहीं हैं।

(iv) जब आग का आविष्कार नहीं हुआ था तब आग की खोज मनुष्य के लिए सबसे बड़ी प्रसन्नता रही होगी। क्योंकि उस समय मनुष्य का उतना विकास नहीं हुआ था और वह पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनों को उपयुक्त तरीके से उपयोग करने में सक्षम नहीं हो पाया था। आग का अविष्कार अपने आप में एक बहुत बड़ा आविष्कार है। उस दौर के समय की दृष्टि से यह एक बड़ी खोज थी। आग का महत्व और उपयोग सबसे अधिक है। अन्य बहुत से कार्यों में आग की सबसे अधिक उपयोगिता भोजन पकाने में है। ठंड से बचने, अंधकार के वक्त प्रकाश उपलब्ध कराने एवं अन्य कार्यो में इसकी आवश्यकता इसकी खोज के मूल में रही होगी। संक्षेप में कहा जाए तो मानव जीवन में आग की महत्ता ही इसकी खोज के पीछे रही होगी।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकी रति हारें। मारतहू पर परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

(i) **(घ)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

(ii) **(ग)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

(iii) **(ग)** परशुराम के लिए
व्याख्या:
परशुराम के लिए

(iv) **(घ)** कमजोर व्यक्तियों के लिए
व्याख्या:
कमजोर व्यक्तियों के लिए

(v) **(ग)** परशुराम
व्याख्या:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

परशुराम

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) फागुन की मादकता, सर्वव्यापक सुंदरता, प्रकृति के मोहक परिवर्तन सुगंधित हवा का प्रवाह, पत्तों और फूलों से भरे पेड़-पौधे और कण-कण का सौंदर्य से भर उठना उसके महत्व को और भी बढ़ा देता है। इन सभी दृश्यों को देखने के बाद फागुन की सुंदरता से कवि अपनी आँखों को नहीं हटा पा रहा है।

(ii) बच्चा अनजान व्यक्ति (कवि) की ओर बिना पलक झपकाए लगातार देखता रहता है। वह उसे पहचानने का प्रयास कर रहा है। साथ ही उसके मन में आगंतुक के बारे में जानने का कौतूहल भी है। कवि यह कहकर कि कहीं बच्चा उन्हें एकटक देखते हुए थक न जाये, आँखें फेर लेना चाहते हैं।

(iii) संगतकार जैसे व्यक्ति निम्नलिखित क्षेत्रों में मिलते हैं; जैसे -

i. सिनेमा के क्षेत्र में - फिल्म में अनेक सह कलाकार, डुप्लीकेट, सह नर्तक व स्टंटमैन होते हैं।
ii. भवन निर्माण क्षेत्र में - मज़दूर जो भवन का निर्माण करते हैं।
iii. राजनैतिक क्षेत्र में संगतकारों की पंक्ति सबसे लंबी होती है, सामान्य जनता और कार्यकर्ताओं के द्वारा किए गए प्रयास का श्रेय उच्च नेताओं को मिलता है।

(iv) कवि लोगों के आत्मकथा लिखने के आग्रह को अस्वीकार कर देता है क्योंकि उसके जीवन में वर्तमान में उत्साह नहीं है। वह निराश हो चुका है। वह किस पर विश्वास करे-यह सोच नहीं पा रहा है। वह आत्मीय जनों से ठगा गया है। वह अपनी प्रेयसी से भी ठगा गया है। वह थके हुए पथिक के समान है, जिसे आगे जाने में कोई रुचि या उत्साह नहीं रह गया है। इसलिए वह व्यथित मन से यही कहता है:
"क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?"
इस प्रकार संपूर्ण कविता में दुर्बल मन वाला कवि निराश, हतप्रभ और व्यथित हृदय दिखाई देता है।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) आज के बच्चों को एक भरा-पूरा और अनुभव सम्पन्न बचपन देने के लिए निम्नलिखित बातों का ख्याल रखा जा सकता है-

i. परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने और पारंपरिक खेलों में भाग लेने से बच्चों में सामाजिक, शारीरिक और मानसिक संबंध मजबूत होंगे।
ii. बच्चों को विभिन्न सृजनात्मक खेलों में शामिल करें, ताकि उनकी कल्पनाशक्ति और सामाजिक कौशल विकसित हो सके।
iii. आज के बच्चों को खेलने के लिए क्रिकेट का सामान, वीडियो गेम, और कम्प्यूटर गेम जैसी चीज़ें मिलती हैं, जबकि भोलानाथ जैसे बच्चों को सुलभता से और बिना पैसे खर्च किए ही चीज़ें मिल जाती थीं। भोलानाथ व उसके साथी खेल के लिए आँगन व खेतों पर पड़ी चीज़ों को ही अपने खेल का आधार बनाते हैं। उनके लिए मिट्टी के बर्तन, पत्थर, पेड़ों के पत्ते, गीली मिट्टी, घर के समान आदि वस्तुएँ होती थी, जिनसे वह खेलते व खुश होते।
iv. बचपन एक ऐसी उम्र होती है, जब बच्चे बिना किसी तनाव के मस्ती से जीते हैं। मुस्कुराना, शरारत करना, रूठना, मनाना, जिद पर अड़ जाना इत्यादि बच्चों की स्वाभाविक क्रियाएँ होती हैं। इसलिए बच्चों को इतनी स्वतंत्रता दिया जाना चाहिए कि वे खेल-खेल में चीज़ों को सीख पाएं।

इन उपायों से बच्चे एक संतुलित, प्रसन्न और समृद्ध बचपन का अनुभव कर सकते हैं।

(ii) लेखक को विज्ञान का नियमित छात्र होने के कारण जानकारी थी, पुस्तकीय या सैद्धांतिक ज्ञान था कि कैसे रेडियमधर्मी तत्वों का अध्ययन करते हुए हम विज्ञान की उस सीढ़ी तक पहुँचे जहाँ अणु का भेदन संभव है और रेडियम-धर्मिता के क्या प्रभाव होते हैं। फिर जब हिरोशिमा पर अणु-बम गिरा तो उसने उसके समाचार पढ़े और उसके परवर्ती प्रभावों के बारे में भी पढ़ा। विज्ञान के दुरुपयोग के प्रति लेखक के मन में विद्रोह हुआ और उसने लेख लिख दिया। लेखक मानता है लेख तो लिखा किंतु उसमें अनुभूति से उत्पन्न जो विवशता होती है, जो अंतःहृदय से उमड़ी पीड़ा होती है अर्थात भोक्ता की जो पीड़ा होती है वह शब्दों में स्वयं निस्तृत होती है उसका अभाव हो सकता है। अनुभूति के स्तर पर लिखी 'हिरोशिमा' कविता अनुभूति की पीड़ा थी। ऐसी पीड़ा लेख में नहीं हो सकती क्योंकि वह अनुभूति स्वयं भोक्ता की पीड़ा नहीं थी। इसलिए लेखक ने कहा कि अनुभूति के स्तर पर जो विवशता होती है, वह बौद्धिक पकड़ से आगे की बात है और उसकी तर्क संगति भी अलग होती है।

(iii) देश की सीमा पर बैठे फौजी अपना जीवन कड़कड़ाती ठंड, बर्फ, गर्म रेगिस्तान, वर्षा, दलदल जैसी उन सभी विषमताओं के बीच बिताते हैं जिनकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। उन्हीं के कारण हम अपने घरों में चैन की नींद सो पाते हैं। देश और देशवासियों की सुरक्षा के लिए अपने परिवार से दूर रहते हुए सैनिकों द्वारा अपने सुख-चैन और जीवन का बलिदान देना सचमुच सराहनीय है। वे प्रकृति के प्रकोप, कड़कड़ाती ठंड, तूफानों के बीच जान हथेली पर रखकर दुश्मन की गोलियों का सामना करते हुए देश की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। अतः हमारा कर्तव्य है कि हम उनका सम्मान करें। उनके परिवार के प्रति सम्माननीय भाव तथा आत्मीय संबंध बनाए रखें। सैनिकों के दूर रहते हुए उनके परिवार को हर प्रकार से सहयोग दें। उन्हें अकेलेपन का एहसास न होने दें तथा विषम परिस्थितियों में उन्हें निराशा से बचाएँ।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **सोशल मीडिया : जागरूकता आवश्यक:-**

भूमिका: सोशल मीडिया ने आज की दुनिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहाँ लोग अपनी बातें साझा करते हैं, समाचार प्राप्त करते हैं, और एक दूसरे के साथ जुड़े रहते हैं।

वर्तमान स्थिति: आजकल सोशल मीडिया का उपयोग हर उम्र और वर्ग के लोगों द्वारा किया जाता है। इसके माध्यम से सूचनाओं और विचारों का आदान-प्रदान बहुत तेजी से होता है। लेकिन इसके साथ ही, सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी और अफवाहों का भी ताता रहता है।

जागरूकता की आवश्यकता क्यों: सोशल मीडिया पर फैली गलत सूचनाओं और झूठी खबरों के कारण लोगों में भ्रम और तनाव उत्पन्न होता है। इसलिए, यह आवश्यक है कि लोग सोशल मीडिया पर प्राप्त जानकारी की सत्यता को समझें और सटीक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें। इसके साथ ही, साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना भी महत्वपूर्ण है ताकि व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रह सके।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रभाव: यदि लोग सोशल मीडिया पर सही जानकारी और जागरूकता के साथ सक्रिय रहें, तो यह समाज के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इससे न केवल फर्जी खबरों का फैलाव रुकेगा, बल्कि लोगों के बीच जागरूकता और सूचना का स्तर भी बढ़ेगा, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है।

(ii) प्रकृति से हमारा लगाव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रकृति हमें भोजन, पानी और ऑक्सीजन जैसी मूलभूत जरूरतें प्रदान करती है। पेड़-पौधे हमारे पर्यावरण को शुद्ध करते हैं और हमें स्वच्छ हवा देते हैं।

प्रकृति से हमारा लगाव हमें प्राकृतिक आपदाओं से बचाने में भी मदद करता है। पेड़-पौधे मिट्टी को बांधकर रखते हैं और बाढ़ जैसी आपदाओं से बचाते हैं। वन हमें बारिश लाने में भी मदद करते हैं।

आजकल, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण प्रकृति खतरे में है। हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर रहना चाहिए। हमें पेड़ लगाने चाहिए, पानी का संरक्षण करना चाहिए और प्रदूषण को कम करना चाहिए। अगर हमने प्रकृति को बचाने के लिए समय रहते कदम नहीं उठाए तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

(iii) **बुजुर्गों के प्रति हमारी जिम्मेदारी**

हमारे समाज में बुजुर्गों को सम्मान देने की अवश्यकता है। उन्होंने अपनी जीवन की अधिकतर अवधि समाज की सेवा में निवेश की है और हमारे समाज को विभिन्न क्षेत्रों में सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इसलिए, हमें उनके सम्मान के साथ-साथ उन्हें आरामदायक और स्वस्थ जीवन जीने में मदद करनी चाहिए।

बुजुर्गों के प्रति वर्तमान स्थिति के कारण, उन्हें समाज से अलग कर दिया जाता है और वे अक्सर समाज से अन्याय का सामना करते हैं। हमें उन्हें समाज में सक्रिय रखने और उन्हें उनके अधिकारों की जानकारी देने की जरूरत है।

बतौर समुदाय, हमारी जवाबदेही है कि हम बुजुर्गों के लिए कुछ करें। हमें उन्हें जीवन का मजा लेने देना चाहिए, उनकी जरूरतों को पूरा करना चाहिए और उन्हें समाज के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

13. परीक्षा भवन,
नई दिल्ली
दिनांक: 2/03/20XX
सेवा में
श्रीमान विधायक महोदय,
दिल्ली सरकार, दिल्ली।
विषय: बस्ती में पुस्तकालय के लिए पत्र।
महोदय,
में अपने इस पत्र के द्वारा आपका ध्यान अपने क्षेत्र के लोगों के लिए एक पुस्तकालय की व्यवस्था की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। वर्तमान तकनीकी युग में पुस्तकों के अध्ययन के प्रति लोगों का लगाव कम होता जा रहा है परिणामत: उनका समय मोबाइल वा अन्य व्यर्थ के विवादों में व्यतीत हो रहा है इससे लोगों को रचनात्मकता क्षीण होती जा रही है।
अत: आपसे निवेदन है कि विधायक निधि से मेरे क्षेत्र में एक सार्वजनिक पुस्तकालय की व्यवस्था की जाए। इससे न केवल सामान्य जन अपितु सुविधाविहीन छात्र भी अपने अध्ययन के लिए लाभान्वित होंगे। आपकी इस व्यवस्था के लिए हम सभी क्षेत्रवासी आपके आजीवन आभारी रहेंगे।
धन्यवाद।
भवदीय
अबस

अथवा

A-2/75,
कावेरी अपार्टमेंट,
द्वारका, दिल्ली।
04 मार्च, 2019
प्रिय मोहित,
सादर नमस्ते। तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हारी कुशलता जानकर बड़ी खुशी हुई। मैं भी यहाँ सकुशल हूँ।
मित्र, यहाँ मई-जून के महीने में विद्यालयों में ग्रीष्मावकाश हो जाता है। मैं चाहता हूँ कि इस ग्रीष्मावकाश में तुम भारत आ जाओ ताकि हम दोनों साथ-साथ छुट्टियाँ बिताएँ। यहाँ मैदानी भागों में गर्मी अधिक पड़ती है, इसलिए हम पर्वतीय स्थल के भ्रमण का कार्यक्रम बनाएँगे। मैंने सोचा है तुमको भारत के सीमावर्ती राज्य उत्तराखंड का भ्रमण कराऊँ। पर्वतीय स्थल होने के कारण यहाँ की जलवायु समशीतोष्ण रहती है। यहाँ देहरादून, ऋषिकेश, सहस्त्रधारा, लक्ष्मण झूला, मसूरी, बद्रीनाथ, केदारनाथ जैसे अनेक दर्शनीय स्थल हैं जो अपनी प्राकृतिक सुषमा से जन-मन हर लेते हैं। देहरादून स्थित गायत्री आश्रम में बैठकर शांति की अनुभूति होती है, तो कैंपटी फॉल से गिरते झरनों की धवल झाग बरबस मन को हर लेती है। मैंने तो इन्हें देख रखा है पर तुम्हारे साथ देखने का आनंद कुछ और ही होगा। अपने आने के कार्यक्रम के बारे में अवश्य अवगत कराना ताकि मैं आवश्यक तैयारी कर सकूँ।
अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना। शेष सब ठीक है।
पत्रोत्तर शीघ्र देना।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
राहुल

14. प्रति,
संपादक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

नवभारत टाइम्स
बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग,
नई दिल्ली ११०००१,

विषय- 'पत्रकार' पद हेतु आवेदन-पत्र।
मान्यवर,
दिनांक 06 मार्च, 2020 को इस प्रतिष्ठित समाचार-पत्र में छपे विज्ञापन संख्या 007/2020 से ज्ञात हुआ कि आपके प्रकाशन समूह को कुछ पत्रकारों की आवश्यकता है। इस पद के लिए मैं भी अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त व्यक्तिगत विवरण निम्नलिखित है-
नाम - सतपाल राणा
पिता का नाम - श्री सलेकचन्द राणा
जन्मतिथि - 20 जून , 1995
पता - ए 4/120, महावीर इक्लेव, उत्तमनगर, दिल्ली।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2007	85 %
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० दिल्ली	2009	76 %
बी.ए.	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली	2012	68 %
पत्रकारिता डिप्लोमा	जे.एन.यू. दिल्ली	2014	प्रथम श्रेणी

कार्यानुभव- सांध्य टाइम्स (दिल्ली से प्रकाशित) में 25 नवंबर, 2014 से अब तक।
घोषणा- मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यदि मुझे सेवा का अवसर मिला तो पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करूँगा और अपने कार्य-व्यवहार से आपको संतुष्ट रखने का पूर्ण प्रयास करूँगा।
धन्यवाद
प्रार्थी
सतपाल राणा
हस्ताक्षर .....
दिनांक 07 जुलाई , 2020
संलग्न- शैक्षणिक योग्यताओं एवं अनुभव प्रमाण-पत्र की छायांकित प्रति।

अथवा

From: sadhna12@gmail.com
To: Mcf@gov.in
विषय: समय से सामान न पहुँचाने के संदर्भ में।
महोदय,
मैं साधना आप की 'तुरत-फुरत' वेबसाइट की एक उपयोगकर्ता हूँ। मैंने आज आपकी वेबसाइट के माध्यम से घर में आने वाले मेहमानों के लिए खाने-पीने की वस्तुएँ मँगवाई थी, लेकिन मुझे खेद है कि सामान अभी तक पहुँचा नहीं है।
मैंने वेबसाइट से कुछ वस्तुओं का ऑर्डर लगभग 50 मिनट पहले किया था, और इसके बाद तक सामान पहुँचने की कोई सूचना नहीं मिली है। जब की आपके साइट की सामान पहुँचाने का समय केवल 20 मिनट हैं। यह गैरहाजिर और असुविधा का कारण बना है, क्योंकि मेरे घर में आने वाले मेहमानों के लिए पर्याप्त खानेपीने की वस्तुएँ अभी तक तैयार नहीं हो पाई हैं।
मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि आप तुरंत कारवाई करें। मेरी इस शिकायत को ध्यान में रखते हुए, कृपया जल्द से जल्द समस्या का समाधान करें और आगामी दिनों में इस तरह की समस्या दुबारा से न होने का भी ख्याल रखें।
धन्यवाद
साधना

आपके दाँतों को रखे चमकदार, ताज़गी को सदा रखे बरकरार
चमक दंत टूथपेस्ट

चमक दंत टूथपेस्ट की विशेषताएँ-

- **सबसे सस्ता, सबसे अच्छा**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15.

- **मजबूत दाँत**
- **स्वस्थ मसूड़े**
- **दुर्गंध से छुटकारा**
- **कीटाणुओं का सफाया**
- **दाँतों के पीलेपन से छुटकारा**
- **दांतों के दर्द से आजादी**

मूल्य सिर्फ़ 10 से 35 रूपए तक
सभी मुख्य स्टोर पर उपलब्ध

अथवा

संदेश

5 अप्रैल 2020
रात्रि 12:02 बजे
प्रिय भाई

तुम जियो हजारों साल
साल के दिन हो पचास हजार

जन्मदिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। आशा है तुम दिन दुगुनी रात चौगुनी तरक्की करो। भगवान तुम्हारी आयु लंबी करें। तुम्हारे सारे सपने पूरे हो।
गोविन्द

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in